चोट की वजह से जल्दी वापसी नहीं कर पा रहे डेल पोत्रो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार टेनिस खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो चोटिल होने के कारण फिलहाल, कोर्ट पर वापसी नहीं कर पाएंगे। डेल पोट्रो ने चिकित्सकों से सलाह–मशवरा करने के बाद अर्जेंटीना के टेनिस खिलाड़ी ने यह निर्णय लिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, डेल पोट्रो जून के बाद से कोर्ट पर नहीं उतरे हैं।

उन्हें लंदन में हुए क्वीन्स एटीपी 500 टूर्नमेंट के दौरान नौ महीनों में दूसरी बार दाएं घुटने में चोट लगी थी। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान के अनुसार, 31 वर्षीय डेल पोत्रो के स्टाफ ने कहा कि बार्सिलोना के मापफ्रे क्लिनिक के चिकित्सकों ने खिलाड़ी को अगले महीने स्टोकहोम और विएना में होने वाले टूर्नमेंट में हिस्सा न लेने की सलाह दी। बयान में कहा गया, 'इसके जरिए हम डेल पोत्रो को ठीक करने की प्रक्रिया में आगे बढ़ पाएंगे।' डेल पोट्रो के 20 नवंबर को वापसी करने की उम्मीद है। वह 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता रोजर फेडरर का सामना करेंगे।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में पूरे किए 7 दोहरे शतक

इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में 7000 टेस्ट रन भी पूरे किए

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पुणे। विराट कोहली ने सचिन तेंडुलकर और वीरेंदर सहवाग के भारतीय रेकॉर्ड को तोड़ दिया है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। शुक्रवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पुणे में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारतीय कप्तान ने अपने टेस्ट करियर का 7वां दोहरा शतक लगाया। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 7000 रन भी पूरे कर लिए।

सचिन-सहवाग से निकले आगे: कोहली ने अपने 81वें टेस्ट मैच की 138वीं पारी में यह मुकाम हासिल किया। इससे पहले सचिन तेंडुलकर 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों और वीरेंदर सहवाग ने 104 टेस्ट मैचों की 180 पारियों में 6–6 दोहरे शतक लगाए हैं।

ब्रैडमैन सबसे आगे: टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने का रेकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन के नाम है। ब्रैडमैन ने 52 टेस्ट मैचों में 12 दोहरे शतक लगाए थे। श्रीलंका के कुमार संगाकारा ने 11 और ब्रायन लारा ने 9 दोहरे शतक लगाए थे। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज वॉली हेमंड ने 85 टेस्ट मैचों में 7 और जयवर्धने ने 149 टेस्ट मैचों में 7 दोहरे शतक लगाए हैं।

7000 रन भी पूरे: कोहली ने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 7000 रन भी पूरे कर लिए। उन्होंने 138 पारियों में यह मुकाम हासिल किया। वह सबसे कम मैचों में यहां पहुंचने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। भारत की ओर से वीरेंदर सहवाग ने 134 और सचिन तेंडुलकर ने 136 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा: विराट कोहली ने बतौर कप्तान टेस्ट क्रिकेट में 9वीं बार 150 का आंकड़ा पार किया। ब्रैडमैन ने 8 बार कप्तान के रूप में 150 का आंकड़ा पार किया था। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में कुल रन (6996) को पीछे छोड़ा। ब्रायन लारा, महेला जयवर्धने, ग्रीम स्मिथ और माइकल क्लार्क ने 7 बार ऐसा किया है।

सबसे तेजी से 1000 टेस्ट रन: विराट कोहली सबसे कम पारियों में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 1000 टेस्ट रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। कोहली ने अपनी 19वीं पारी में यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने वीरेंदर सहवाग के रेकॉर्ड को तोड़ा जिन्होंने 20 पारियों में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 1000 रन पूरे किए थे। सचिन तेंडुलकर ने 29 और राहुल द्रविड़ ने 30 पारियों में 1000 टेस्ट रन पूरे किए थे।

जब मिला कोहली को जीवनदान: विराट कोहली ने अपने दोहरे शतक में कोई छक्का नहीं लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस पारी का पहला छक्का लगाया। कोहली जब 208 के स्कोर पर थे तब उन्हें जीवनदान मिला था।

किंग्स इलेवन पंजाब ने अनिल कुंबले को सौंपी कोचिंग की कमान, रोड्स भी जुड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■कॉर्टनी वॉल्श बोलिंग और जॉर्ज बैली बैटिंग कोच की भूमिका निभाएंगे

मुंबई। करीब दो साल पहले अनिल कुंबले को कप्तान विराट कोहली के साथ मतभेद के चलते टीम इंडिया के कोच पद से हटना पड़ा था लेकिन अब वह एक बार फिर कोचिंग की ओर लौटने लगे हैं। भारत के पूर्व कप्तान सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले इस दिग्गज लेग स्पिनर अब किंग्स इलेवन पंजाब के निदेशक, क्रिकेट ऑपरेशंस के रूप मे काम करते नजर आएंगे। गुरुवार को मुंबई के एक पांच सितारा होटल में फ्रैंचाइजी के साथ उनकी मीटिंग के दौरान इस पर मुहर लगी। किंग्स इलेवन के सह–मालिक नेस वाडिया ने बताया, कुंबले कोच के रूप में हमारी पसंद हैं। क्रिकेट और कोचिंग की उनकी क्षमताओं के बारे में सारी दुनिया को पता है। वह काफी शांत, संयमित और धैर्यवान व्यक्ति हैं। उन्हें आईपीएल का काफी अनुभव है। वह आईपीएल में दो अन्य टीमों के साथ काम कर चुके हैं और इसके साथ ही भारतीय टीम के कोच भी रह चुके हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में किंग्स इलेवन की टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। कुंबले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के चीफ मेंटॉर रह चुके हैं और इसके साथ ही उन्होंने मुंबई इंडियंस के साथ भी काम किया है। कुंबले के साथ काम करने के लिए फ्रैंचाइजी ने सपॉर्ट स्टाफ को भी हायर किया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान जॉर्ज बैली को टीम का नया बैटिंग कोच बनाया गया है। बैली 2014 के फाइनल में पहुंचने वाली किंग्स इलेवन टीम के कप्तान भी थे।

पूर्व भारतीय स्पिनर सुनील जोशी को टीम का सहायक कोच बनाया गया था। जोशी बांग्लादेश टीम के स्पिन बोलिंग कोच रहे थे। साउथ अफ्रीका के दिग्गज जोंटी रोड्स को टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। वहीं वेस्ट इंडीज के पूर्व महान गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श को टीम का बोलिंग कोच कम टैलंट स्काउट बनाया गया है। कुंबले 19 दिसंबर को कोलकाता में होने वाली आईपीएल नीलामी में टीम के साथ पहली बार नजर आएंगे।

संन्यास या पहेली, आखिर क्या चल रहा है धोनी के मन में?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिवंगत विजय मर्चेंट ने एक बार कहा था कि खिलाड़ी को संन्यास के फैसले के बारे में सतर्क रहना चाहिए। उसे वैसे समय संन्यास लेना चाहिए जब लोग पूछे 'अभी क्यों', ना कि तब जबकि लोग यह पूछने लगे कि 'कब'। फिलहाल यह 'कब' का सवाल महेंद्र सिंह धोनी के सामने खड़ा है जिनकी भविष्य पर जारी दुविधा ने इस बहस को छेड़ दिया है कि भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में से यह एक प्लेयर कब खेल को अलविदा कहेगा। इंग्लैंड में हाल ही में समाप्त हुए आईसीसी वर्ल्ड कप के बाद से 38 वर्षीय धोनी ने कोई मैच नहीं खेला है। वह वेस्ट इंडीज टूर और साउथ अफ्रीका के साथ हुई सीमित ओवरों की सीरीज में भी नहीं खेले। अब वह विजय हजारे ट्रोफी और बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी20 घरेलू सीरीज से भी बाहर ही रहेंगे। यानी इस साल यह तय नजर आ रहा है कि वह मैदान पर नजर नहीं आएंगे।

आखिरी वह क्या चीज है, वह क्या बात है जो धोनी को फैसला लेने से रोक रही है। क्या वह एक और वर्ल्ड कप खेलना चाह रहे हैं या फिर 'बाजार' का दबाव उन्हें रोक रहा।

न्यूज डायरी

दिविज शरण अब एशिया के शीर्ष रैंकिंग के युगल खिलाड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिविज शरण एटीपी युगल रैंकिंग सूची में अब केवल भारत के ही नहीं बल्कि एशिया के भी नंबर एक खिलाड़ी बन गए हैं जो हाल में तीन पायदान के फायदे से 42वें नंबर पर पहुंच गए। उनसे ऊपर सभी 41 खिलाड़ी यूरोप, अमेरिका और कुछ दक्षिण अमेरिकी देश जैसे ब्राजील और अर्जेंटीना के हैं। दिविज ने कहा, 'इस उपलब्धि तक पहुंचकर अच्छा महसूस हो रहा है। यह ऐसी उपलब्धि है जो पूरी जिंदगी मेरे साथ ही रहेगी।' तोक्यो ओलिंपिक को ध्यान में रखते हुए इस बायें हाथ के खिलाड़ी ने हमवतन रोहन बोपन्ना के साथ जोड़ी बनाई थी और टाटा ओपन महाराष्ट्र में जीत से शानदार शुरुआत की थी। हालांकि यह भागीदारी ज्यादा लंबे समय तक नहीं चल सकी और उनके कई नतीजे काफी खराब रहे। उनकी 40 रैंकिंग बतौर टीम उन्हें बड़े टूर्नमेंट में प्रवेश नहीं दिला सकी।

रबाडा ने छींटाकशी की कोशिश की लेकिन मैंने ध्यान नहीं दिया: पुजारा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पुणे। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने दूसरे टेस्ट के शुरुआती दिन स्लेजिंग के जरिए चेतेश्वर पुजारा की एकाग्रता भंग करने की कोशिश की लेकिन भारतीय टीम के इस अनुभवी बल्लेबाज को इससे कोई परेशानी नहीं हुई क्योंकि वह 'अपनी धुन' में थे। पुजारा को 58 रन पर आउट करने के बाद रबाडा ने छींटाकशी के अंदाज में उन्हें कुछ कहा। शायद वह अपनी हताशा दूर करना चाहते थे क्योंकि किस्मत पुजारा के साथ थी। 31 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'एक बैट्समैन के रूप में, मुझे हमेशा से पता है कि वह (रबाडा) मेरी एकाग्रता को बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। सिर्फ वही नहीं दूसरे गेंदबाज भी छींटाकशी करते हैं, ऐसे में मेरी कोशिश होती है कि मैं उन्हें सुनने से बच सकूं।'

सिटसिपास ने जोकोविच को हराकर उलटफेर किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शंघाई। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को यहां शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में यूनान के युवा खिलाड़ी स्टेफानोस सिटसिपास से उलटफेर का सामना करना पड़ा। अब सिटसिपास का सामना शनिवार को सेमीफाइनल में 23 साल के दानिल मेदवेदेव से होगा। सातवीं रैंकिंग के सिटसिपास ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी की और मौजूदा चौम्पियन को 3–6 7–5 6–3 से मात दी। सिटसिपास शीर्ष रैंकिंग के सर्बियाई खिलाड़ी के खिलाफ पिछले तीन मैचों में दो बार जीत हासिल कर चुके हैं। मेदवेदेव ने फैबियो फोगनिनी को 6–3 7–6 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं 20 बार के ग्रैंडस्लैम चौम्पियन रोजर फेडरर का सामना क्वार्टरफाइनल में जर्मनी के युवा एलेक्जेंडर ज्वेरेव से जबकि आस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम की भिड़ंत इटली के माटियो बेरेटेनी से होगी। अमेरिकी ओपन चौम्पियन राफेल नडाल कलाई की चोट के कारण शंघाई में नहीं खेल रहे हैं।

ईरान में बरसों बाद महिलाओं ने स्टेडियम में देखा फुटबॉल मैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ईरान। ईरान में आजादी स्टेडियमश का नाम तब और प्रासंगिक हो गया जब बरसों बाद 3500 महिलाओं ने एकसाथ स्टेडियम में फुटबॉल मैच देखा। गुरुवार को आजादी स्टेडियम में ईरान और कंबोडिया के बीच फीफा क्वालिफायर मैच को देखने बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। 1979 से महिलाओं के स्टेडियम में जाकर मैच देखने पर प्रतिबंध था। इस्लामिक रिवॉल्यूशन के बाद महिलाओं पर यह बैन लगाया गया था। इसके साथ ही अब यह कानून खत्म हो गया है। फीफा के दबाव के तहत ईरान ने यह बैन हटाया यौर 3500 महिलाओं को टिकट दिया पिछले महीने जेल जाने के डर से एक महिला फैन को वेश बदलकर मैच देखने आना पड़ा। लेकिन उसे हिरासत में लिया गया। इससे आहत होकर उसने आत्मदाह कर लिया।